

पृष्ठ 5 पर

उपजे मौजूदा स्थिति, विभिन्न राज्यों में फैले प्रवासी मजदूरों के लिए चलाए जा रहे राहत कार्यों के साथ-साथ तबलीगी जमात के लोगों के विभिन्न राज्यों में जाने से उत्पन्न खतरे पर भी चर्चा हुई है। लोकडाउन के बाद देश के मुख्यमंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री की पहली बैठक है। इससे पहले 22 मार्च को लगाए गए जनता कर्फ्यू से दो दिनों पहले 20 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की थी। उस समय उन्होंने कोरोना के वैश्विक खतरे के प्रति मुख्यमंत्रियों को अगाह करते हुए पूरे देश को एकजुट होकर इसका सामना करने की जरूरत पर जोर दिया था।

भोपाल। राजधानी में लोगों को घर बैठे सुविधाएं मुहैया कराने के लिए मेयर एक्सप्रेस की शुरुआत की गई थी। अधिकारियों की सुस्ती के कारण इस योजना में भी धम तोड़ दिया था। अब स्मार्ट सिटी कंपनी ने लोगों को सुविधाओं के मंडनकर इसे दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया है। तीन-चार दिनों में यह सुविधा शुरू हो सकती है। अधिकारियों ने बताया कि लॉकडाउन के कारण लोगों को रोजमर्रा से जुड़ी सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है। महानगर एक्सप्रेस के जरिए लोगों के घरों तक सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। शहर में पंखा खराब होने, नल से पानी टपकने या अन्य कोई समस्या होने पर अब आपको लॉकडाउन खत्म होने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। मेयर एक्सप्रेस द्वारा आप को घर बैठे पंख, कार, इलेक्ट्रिशियन सहित सात जरूरी सुविधाएं एक कॉल पर उपलब्ध हो जाएंगी। यह सुविधाएं रियायती दरों पर मिलेंगी। इसके अलावा जेट्स पार्क (सेलून) के लिए भी सुविधा मुहैया कराने पर विचार किया जा रहा है। निर्णय होने के बाद घर बैठे दाढ़ी, कटिंग व मसाज जैसी सुविधा भी मिलेगी।

दिग्विजय सिंह ने अपनी पोस्ट का शीर्षक दिया है- क्रोनोलॉजी समझिए कैसे 135 करोड़ देशवासियों की जान खतरे में डाली गई

भाजपा के प्लान में फंस गई कांग्रेस: दिग्विजय , कांग्रेसियों ने माना-राज्यसभा जाने के लिए दिग्विजय ने चली चाल ?



नवप्रदेश संवाददाता

पोपला। मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने अपने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखी है। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने कोरोना वायरस को लेकर केन्द्र की मोदी सरकार पर हमला बोला है। दिग्विजय सिंह ने अपनी पोस्ट का शीर्षक दिया है- 'कोनोलॉजी समझिए कैसे 135 करोड़ देशवासियों की जान खतरे में डाली गई। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि कैसे मध्यप्रदेश में भाजपा ने अपने प्लान का ठिकरा कैसे दिग्विजय सिंह पर फोड़ा, वो अपने इस प्लान में सफल भी हुआ। 5 मार्च को फिर राहुल गांधी ने लिखा कि स्वास्थ्य मंत्री कह रहे हैं कोरोना वायरस समस्या नियंत्रण में है जो कि गलत है और पूरे देश को बहलाने जैसा है। उन्होंने कहा कि इस समय सरकार को एक्शन में आकर नागरिकों को इस समस्या से निजाते दिलाने के लिए कोई ठोस योजना बनाना चाहिए। 13 मार्च को फिर राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा कि मैं बार-बार ये बात कह रहा हूँ कि कोरोना वायरस बहुत बड़ी समस्या है इससे हमारे देश की अर्थव्यवस्था नष्ट हो जाएगी लेकिन सरकार टटप रही है। 18 मार्च को राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा कि कोरोना वायरस से लड़ने के लिए एक त्वरित आक्रमक एक्शन की जरूरत है नहीं तो सरकार को इस अक्षमता की देश को बहुत बड़ी कीमत चुकाना पड़ेगी। 21 मार्च को राहुल गांधी ने फिर ट्वीट कर लिखा कि

कोरोनावयरस हमारी नाजुक अर्थव्यवस्था पर एक कड़ा प्रहार है। छोटें, मध्यम व्यवसायी और दिहाड़ी मजदूर इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। ताली बजाने के स उद्देश्य मदद नहीं मिलेगी। आज नकद मदद, टैक्स ब्रेक और कर्ज अदायगी पर रोक कैसे एक बड़े आर्थिक पैकेज की जरूरत है। तुरंत नकद उछालें! 22 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल डिस्टेंसिंग का प्रयोग करने के लिए जनता कर्फ्यू लगाकर लोगों को घरों में ही रहने की हिदायत दी। 24 मार्च को रात 8 बजे प्रधानमंत्री ने 21 दिनों के लिए पूरे देश को लॉकडाउन कर दिया। जैसे-जैसे देश में कोरोना पैर पसार रहा था, वैैसे-वैैसे बीजेपी सरकार गिराने के अपने प्लान की बी पर काम कर रही थी। उसी प्लान की कड़ी में कांग्रेस के 22 विधायकों को विशेष विमान के जरिये बीजेपी नेताओं ने नैंगलोर पहुंचाया और खुद के विधायकों को भोपाल से विशेष विमान से दिल्ली और बाद में बस द्वारा गुडगांव पहुंचाया दिया। अब आप क्रोनोलेजी समझिए गहुल गांधी के कोरोना वायरस की गंभीरता को लेकर बार-बार आवाह करने पर भी केंद्र सरकार ने उस ओर से पूरी तरह ध्यान भटककर पड़ा। क्योंकि जो लॉक डाउन मार्च के पहले सप्ताह में हो जाना था उसे क्यों टाला गया उसका सिर्फ एक ही कारण था मध्यप्रदेश में चुनी हुई कांग्रेस सरकार के गिरावट भाजपा की लॉक बाबाना। समझने वाली बात यही है यदि ये लॉक डाउन पहले लगाया जाता

राज्यसभा जाने के लिए फोड़ा गया ठिकरा ?

लेकिन किस को मातृम था कि भाजपा नेता खासकर अमित शाह कमर कस के बैठे थे चुनी हुई सरकार को गिराने का। गंभीर नहीं थी तो बस कांग्रेस। कांग्रेस के नेता बीजेपी के बुने जाल में फंस गए चूँकि उनका प्लान फेल हो गया था तो उसका ठिकरा दिग्गज सिंह पर फोड़ा गया थे कहते हुए कि ये कांग्रेस की अंतर्कलह है दिग्गज सिंह को राज्यसभा में भेजना था इसीलिए वे ही इन विचारकों को दिल्ली ले गए और बड़ी आसानी से लोगों ने खासकर कांग्रेसियों ने भी ये मान लिया कि राज्यसभा जाने के लिए राजा ने ये चाल चली है। जबकि कांग्रेस के पास राज्यसभा 2 सीटों के लिए पर्याप्त संख्या थी। लेकिन भाजपा ये आम राय बनाने में कामयाब हो गई कि ये कांग्रेस की ही अररुनी लड़ाई है बीजेपी का इससे कोई लेना देना नहीं। जिस तरह पूरे देश में राहुल गांधी सॉफ्ट टारगेट होते हैं उसी तरह जयप्रदेश में दिग्गज सिंह बीजेपी के निशाने पर होते हैं। जो लड़णा या जिसमें लड़ने का सामर्थ्य होगा उसे ही भाजपा टारगेट में ले लेती है।

क्रोनोलॉजी समझिए

आप सोच रहे होंगे कि जनवरी से मार्च तक के नेताओं के ये बयान नैने आपको वयों बताये, बात ये है कि मैं आपको क्रोलैलॉजी समझाने की कोशिश कर रहा हूँ कि कैसे 135 करोड़ देशवासियों की जान खतरे में डाली गई। इसलिए आपको फिर से मार्च महीने की शुरुआत में ले चलता हूँ। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने 3 मार्च को द्वाीट किया भाजपा ने मप्र के कांग्रेस बसपा समाजवादी विधायकों को दिल्ली लाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। बसपा की विधायक श्रीमती राम बाई को वया भाजपा के पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह जी कल चार्टर एलाइट में गोपाल से दिल्ली नहीं लाये? शिवराज जी कुछ कहना चाहेंगे?

दिग्विजय सिंह सिंह की पोस्ट में क्या?

मेरे दोस्त ने बताया कि उनके बेटे को स्कूल में नवंबर में कोरोना वायरस के बारे में बताया गया था। दिसंबर में ही चीन में कोरोना वायरस से पीड़ित मरीज सामने आने लगे थे। 11 जनवरी को चीन में १८ दिसंबर 19 से मौत की पहली खबर आई। 30 जनवरी को हिंदुस्तान में कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना वायरस को समूचे विश्व के लिए महामारी घोषित किया। 12 फरवरी को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कोरोना वायरस को लेकर पहला ट्वीट कर मामले की गंभीरता जताते हुए सरकार को आगाह किया। 2 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का ट्वीट आया कि वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अलविदा कहेंगे। 3 मार्च को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 2 ट्वीट कर कोरोना वायरस के संबंध में फिर सरकार को चेताते हुए कहा कि ये सिर्फ जानलेवा नहीं है बल्कि हिंदुस्तान की अर्थव्यवस्था को खत्म कर देगा।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में जरूरत
मंदों के लिए निरंतर खाने के पैकेट
बनवाकर किये जा रहे हैं वितरित

कमलनाथ जी के निर्देश
पर दिन-रात व्यवस्था में
जुटे रहते हैं कोषाध्यक्ष
गोविंद गोयल

नवप्रदेश संवाददाता

भीषाल। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से संपर्क कर जबरनतम व्यक्तिगत, चाहे वह कामो हो या गरीब, किसी भी जातिवादी भावना को अहो हो व किसी भी धर्म का, सम्प्रदाय के लिए बीते 24 मार्च से निरन्तरतम भोजन के पैकेट बनवाकर कांग्रेस के प्रतिनिधियों द्वारा भीषाल आसपास के क्षेत्रों में पहुँचाकर वितरित किये जा रहे हैं। वहीं प्रदेश कांग्रेस के कार्यालय के सामने आवाले जबरनतम व्यक्तिगत को खाँदना के पैकेट वितरित किये जा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अथवा एवं प्रदेश मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ जी वे भी निरन्तरतम भोजन व्यस्तता के निरन्तरतम प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष श्री श्री गोविंद गोपाल द्वारा की जा रहे हैं।



है, वे सभी व्यवस्थाओं को पूरी तन्मयता के साथ पूरे दिन प्रदेश काग्रिस कार्यालय में रुककर स्वयं संभाल रहे हैं, किसी भी प्रकार की कोताही न बतते जाये इस पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। खाना बनाने वाले कर्मचारी हों या भोजन ले जाने वाले व्यक्ति सभी को मास्क लगाने एवं सेनेटाईजेशन से हाथ धुलवाकर सोशल स्टैंडिंग का पूर्णतः पालन करा रहे हैं। गौरव न ले कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के चलते

लोकडाउन की स्थिति निर्मित है प्रदेश के सभी वर्ग, जाति, धर्म के लोग इस भीषणतम बीमारी से त्रस्त हैं है तथा उन्हें विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों में आर्थिक तंगी और भुखमरी जैसी समस्या एक विकराल रूप धारण करती जा रही है। गोयल ने कहा कि प्रदेश काग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ ने भावना को दृष्टिगत रखते हुए जरूरतमंद व्यक्तियों तक भोजन

पहुँचाने का कार्य बीते 24 मार्च से निरंतर किया जा रहा है, जिसमें कांग्रेस के कार्यकर्ता और प्रदेश कांग्रेस के कर्मचारी दिन-रात जुट रहे। सरकार भागवत सेवा का धर्म निभाते हुए भोपाल और आसपास के क्षेत्र में भोजन पहुँचाने का कार्य कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस के कायाध्यक्ष गंगा गोविंद गोयल के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में रोज लगभग 25 से 30 हजार खाने के पैकेट बनवाये जा रहे हैं, जिसमें पुड़ी, सब्जी, रिवाउड़ी, नमकीन पैकेट, और अन्य सामग्री बनवाकर वितरित की जा रही है। गोयल ने कहा कि श्री कमलनाथ जी का कहना है कि हमें जरूरत है कि हमें एक ही जस्तारमंद, गरीब व्यक्ति भूखा न रहे। कांग्रेस पार्टी हमेशा से ही जस्तारमंद, गरीबों के लिए पैसे तह जस्तारमंद रखी है, वह किस्म का जस्तारमंद व किसी धर्म के प्रति भेदभाव नहीं रखती, कांग्रेस पार्टी के लिए सभी समाज, सभी धर्म एक समान हैं।

भाजपा विधायक का दिग्विजय सिंह पर तंज, कहा- मौलानाओं से आपके अच्छे संबंध, समझाएं उन्हें

भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने दिग्विजय सिंह को पत्र लिखकर कहा कि उन्हें जमातियों और मौलाना को समझाने के लिए आगे आना चाहिए।

नवप्रदेश संवाददाता

भीषाला। तबलीगी जमातियों को लेकर भाजपा विधायक ने कांसेस नेता आगे प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ब्रज लाल शर्मा के दिग्विजय सिंह पर तंज करके कहा कि उन्होंने दिग्विजय सिंह को पत्र लिखकर कहा कि उन्हें जमातियों और मौलाना को समझाने के लिए आगे आना चाहिए। भाजपा विधायक गोमेश्वर शर्मा ने पत्र में लिखा कि कोरोना वायरस से आज पूरा विश्व जुझ रहा है। भारत के नागरिक लॉकडाउन का पूरी तरह अनुसरण नहीं कर रहे हैं। हमें मंतेशिया से आए जमातियों ने भारत की इस मुहिम को आँटूटूटू दिखाने का काम किया। दिल्ली के निजामुद्दीन के मरकज में जमात के मौलाना ने जमातियों को इस



कोरोना वायरस को चुनौती देते हुए इसे साँसिया करार दिया है। कोरोना वायरस लेकर दिल्ली से निकले रजि-जमाती आजाद हिंदुस्तान के कोनों कोने में पहुँच चुके हैं। कोरोना वायरस को तो रोका जा सकता था, परंतु मौलाना के विचार की वजह से इंदौर सहित भारत के अन्य हिस्सों में विशेष समुदाय द्वारा डॉक्टर और पुलिस पत्र पर हुए हमले मौलाना के विचार जमीन पर उतरने जैसे प्रतीत हो रहे हैं। आगे उन्होंने लिखा है कि आप (विश्वविजय सिंह) वर्षों से इस विशेष समुदाय के बहुत ही निकट

रहे हैं।
 मुझे उम्मीद है कुछ दिनों पहले
 नागरिकता संशोधन कानून के
 विरोध के दौरान यह नजदीकियाँ
 और मजबूत हुई होंगी। मेरा
 अनुशेष है आप इस तरह के
 जमातियों एवं मौलाना से अपील
 करें कि कोरोना वायरस को
 चुनौती न दें। जल्द से जल्द अपने
 आपको क्वारंटीन कर लें और
 भारत सरकार एवं स्थानीय प्रशासन
 सरकार के निर्देशों का पालन करें।
 मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप मेरे
 राष्ट्रपति के इस विनम्र आग्रह को
 अविलंब स्वीकार करेंगे।

तैयारी

सरकार ने एक लाख टेस्ट किट मंगाई, ज्यादा प्रभावित इलाकों में भेजने की तैयारी, 200 वेंटिलेटर आएंगे

सरकार ने मंगाई 1 लाख कोरोना टेस्ट किट, 200 वेंटिलेटर का भी दिया ऑर्डर

नवप्रदेश संवाददाता

भीपाल। मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस का संक्रमण बहुत तेजी से बढ़ता जा रहा है। हालिया प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में अब तक कोरोना के 98 मामले सामने आ चुके हैं। प्रदेश में कोरोना के बढ़ते-बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सरकार भी कमर कसती नजर आ रही है। इसी को लेकर कोरोना के संदिग्ध मरीजों की जांच को तेज प्रशं में 6 अप्रैल से नई कोरोना टेस्ट किट मिलनी शुरू हो जाएगी। प्रदेश सरकार ने एक लाख कोरोना टेस्ट किट का आर्डर दे दिया है। जल्द ही इसकी पहली खेप आ जाएगी। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की मदद और पुणे, मुंबई और दिल्ली से टेस्ट किट मंगाई हैं।



इस पर 12 करोड़ रुपए खर्च आ रहा है।

लॉक डाउन के अगले चरण की तैयारी के

लिए जांच प्रक्रिया पूरी करने के लिए अग्रिम तैयारी की है।

6 अप्रैल को आएगा लॉट!

बता दें कि, अब तक प्रदेश में 5 हजार कोरोना टेस्ट किट मौजूद हैं। हालांकि, आगामी सप्ताह तक ये 20 हजार से अधिक हो जाएंगी। इसी के साथ 200 वेंटिलेटर भी लाए जा रहे हैं। 45 वेंटिलेटर की पहली खेप गुरुवार को मिल जाएगी। चूँकि भोपाल और इंदौर के साथ पुराने मेडिकल कॉलेजों में अभी वेंटिलेटर हैं। लिहाजा जब वेंटिलेटर सलमान, विदिशा और शहडोल भी भेजे जाएंगे। कुछ खेप भोपाल और इंदौर में बढ़ाई जाएगी। आपको बता दें कि, एक वेंटिलेटर की तीमत् 14 लाख रुपये है।

पहले अधिक प्रभावित शहरों की होगी पूर्ति

सरकार के आदेश के मुताबिक, खरीदी जाने वाली कोरोना किट्स को पहले प्रदेश के अधिक प्रभावित जिलों में भेजा जाएगा। इनमें सबसे पहले इंदौर, भोपाल, उज्जैन, शहडोल, जबलपुर आदि जिलों को लिस्ट किया गया है। बता दें कि, 6 अप्रैल से हर सप्ताह 20 हजार कोरोना किट प्रदेश को मिलने लगेंगी। सरकार कोशिश कर रही है कि दो लाख टेस्ट किट अगले एक-दो माह के भीतर उसे मिल जाएं। फिलहाल, इसकी शुरुआत एक लाख टेस्ट किट से की रही है।

लापरवाही पर स्वास्थ्य आयुक्त को हटाया

भोपाल। कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में लापरवाही बरतने से नाज़न मुख्तार प्रीतिवास सिंह चौहान ने स्वास्थ्य आयुक्त शिवका हजले को हटा दिया। इसके एक घंटे के भीतर ही मुख्तारमी के प्रमुख सचिव फैज अहमद किटवॉर को इस फर्क का प्रभार भी सौंप दिया गया। हजले असम-नेहालय केन्द्र के 1995 बैच के आरक्षण अधिकारी हैं और पिछले साल ही प्रतिनिधित्वित फर्क में थे। समीक्षा बैठक के दौरान दिए ताना आकड़ों में गड़बड़ी के कारण मुख्तारमी नाराज़ हो गए थे।

9
 8
 7
 6
 5
 4
 3
 2
 1

